15

प्रकृति

(कविता)

अभी-अभी थी *धूप*
बरसने लगा कहाँ से यह पानी?
छम-छम करती बादलों की
गोद से आई वर्षा रानी?

सूरज ने क्यों बंद कर लिया
अपने घर का *दरवाज़ा*?
उसकी माँ ने भी क्या उसको
बुला लिया कहकर आ जा?

जोर-जोर से गरज रहे हैं
बादल हैं किसके काका?
किसको डाँट रहे हैं,
किसने कहना नहीं सुना माँ का?

—सुभद्राकुमारी चौहान

शब्द- भंडार

धूप — सूरज की रोशनी *(sunlight)*,
बरसने — वर्षा होना *(raining)*,
डाँटना — तेज आवाज में कहना *(shout at)*,
किसने — कौन *(who)*।
गरजना — बादलों की आवाज *(thunder)*,
बादल — मेघ *(cloud)*,
दरवाजा — द्वार *(door)*,

कविता का भावार्थ – प्रस्तुत कविता में कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान हमारे संसार को एक कल्पना का संसार बताती हैं। उन्होंने कल्पनाशक्ति का विकास कर प्रकृति प्रेम को दर्शाया है। कवयित्री कहती हैं कि अभी तो सुबह होकर धूप निकली ही थी फिर ये अचानक से पानी कहाँ से आ गया? बादलों को गोद से निकलकर बारिश का पानी अर्थात् वर्षा आ रही है। सूरज ने अपने घर का दरवाजा क्यों बंद कर दिया? क्या सूरज की माँ ने उसे वापिस अपने घर बुला लिया? बादलों को काका के रूप में मानकर कवयित्री कहती हैं कि ये बादल काका जोर-जोर से किस पर गरज रहे हैं? ये किसको डाँट रहे हैं? किसने अपनी माँ का कहना नहीं माना है?

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

बरसने शैतानी डाँट दरवाजा माँ

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) प्रस्तुत कविता में किसके बीच वार्तालाप हो रही है?

(ख) वर्षा का पानी कहाँ से आता है?

(ग) जोर-जोर से कौन गरजता है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) पानी कहाँ से बरसने लगा?

◯ घड़े से ◯ सूरज से ◯ बादल से

(ख) बारिश में कौन जोर-जोर से गरजता है?

◯ पानी ◯ बादल ◯ सूरज

(ग) किसने अपने घर का दरवाजा बंद कर लिया है?

◯ सूरज ने ◯ बादल ने ◯ माँ ने

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

(क) उसकी माँ ने ....
.... कहकर आ जा?
जोर-जोर से गरज ....,
.... किसके काका?

(ख) अभी-अभी थी ....,
.... यह पानी?
छम-छम करती बादलों की गोद
से आई ....

भाषा-ज्ञान

1. समान तुक वाले शब्दों को रेखा खींचकर मिलाइए—

अभी	मंद	किसने	रहना
बरसने	शोर	कहना	इसने
बंद	कभी	सुना	नानी
ज़ोर	सपने	घर	बुना
अपने	तरसने	पानी	भर

2. जो शब्द पंक्ति में अलग हैं, उस पर ◯ लगाइए—

(क)	घर	-	दरवजा	खिड़की	रेल	दीवार
(ख)	बादल	-	बारिश	पानी	वर्षा	आगरा
(ग)	सूरज	-	धूप	जमीन	गरमी	पसीना
(घ)	धूप	-	रोशनी	अँधेरा	प्रकाश	उजाला

3. नीचे दिए गए शब्दों को स्वर और व्यंजन के क्रम के अनुसार लिखिए—

कहना, घर, गरज, बादल, अभी, सुना, उसकी, दरवाजा, इतनी, शैतानी, पानी, धूप

अभी	इतनी	उसकी	....
....	....	....	....
....	....	....	....

4. पाठ में से छः संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए—

....
....

5. नीचे दिए गए शब्दों को बोलकर देखिए। इन्हें बोलने में अंतर होता है। इन्हें बोलिए और देखिए कि जब अक्षर के नीचे नुक्ता लगता है, तो उसकी आवाज में क्या अंतर आ जाता है–

ज	जल	जान	सजा	जीव	जोर
ज़	ज़रा	ज़ोर	आवाज़	रोज़	कागज़

ऐसे दो-दो शब्द स्वयं लिखिए–

....

....

....

6. कविता में जोर-जोर शब्द आया है। नीचे इसी प्रकार के कुछ शब्द दिए जा रहे हैं, उनसे वाक्य बनाइए–

धीरे-धीरे - .....

बार-बार - .....

अभी-अभी - .....

7. धूप में और वर्षा में प्रयोग की जाने वाली अलग-अलग छतरियों को देखिए। चर्चा कीजिए कि साधारण कपड़े की बनी हुई छतरी बरसात में प्रयोग क्यों नहीं की जा सकती।

प्लास्टिक की छतरी

साधारण कपड़े की छतरी

क्रियात्मक गतिविधि

- अपनी पुस्तक में से वर्षा के दिनों में पाए जाने वाले जानवरों को पहचानिए और उनके नाम अपनी कार्य पुस्तिका में लिखिए।

कुछ अच्छी आदतें

केवल पठन हेतु

टॉफी खाना हर घड़ी, नहीं है अच्छा काम,
लगेंगे कीड़े दाँत में, बात है बिलकुल आम।

जूते-जुराबें साफ रखो, दोनों अपनी चीज,
बच्चे अच्छे काम कर, दिखाते हैं तमीज।

खेलो-कूदो शौक से, पढ़ने से मत भागो,
सोने का भी लो मजा, सुबह-सवेरे जागो।

दुश्मन के भी सामने, झूठ कभी न बोलो,
बात बड़ों ने है कही, तोल-मोल के बोलो।

झूठ हमेशा झूठ है, सच है सच्ची बात,
दिन को तुम दिन ही कहो, रात को समझो रात।

जब भी कोई काम करो, पूरा करके छोड़ो,
पत्थर हर कठिनाई का, धीरे-धीरे तोड़ो।